Name_____ Roll No. _____

Date _____ Place _____ Mobile No. _____

(Note: Take clear images of each page, arrange them properly, make one PDF and then send it for evaluation before time expires. Please, wait for at least 24 hours for evaluation. Be honest to your test. Take test in one sitting in two hours.)

Section A (I) 50 Marks

निम्नलिखित का अनुवाद अंग्रेजी में करें -

हमें यह जानकर आश्चर्य होगा कि आधुनिक गणित के कई प्रमेय और अवधारणा भारत के प्राचीन गणितज्ञ को पता थे। लेकिन सही दस्तावेज़ और प्रचार-प्रसार में कमी होने के कारण उन्हें वो स्थान नहीं मिल पाया जो उनके पाश्चात्य समकक्षों को मिला है। बौध्यान ने कई अवधारणा और प्रमेय दिए थे, जिसे पाश्चात्य विश्व ने बाद में पुनः खोज की। उन्होंने सबसे पहले पाइ के मान का गणना किये था जिससे किसी भी वृत का क्षेत्रफल और परिधि की गणना किया जा सकता था। उनकी किताब सुल्वसूत्र में पायथागोरस प्रमेय जैसा समीकरण हमें देखने को मिलता है। आर्य भट्ट ने भी स्वतंत्र रुप से पाइ के मान की गणना किया था। उनके हिसाब से पाइ का करीबी मान 3.14163 था। आर्यभट्ट 5 ईशा पूर्व के गणितज्ञ, खगोलशास्त्री, भविष्यवक्ता और भौतिकशास्त्री थे। 23 साल की उम्र में ही उन्होंने आर्यभट्टया नाम की किताब लिख डाली थी, जो उनके समय मे गणित का संपूर्ण सार था। इसमें हमें दशमलव प्रणाली, संख्या सिद्धांत, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, बीजगणित और खगोलशास्त्र पर बड़ा अच्छा व्याख्या प्राप्त हो जाएगा। आर्यभट्ट ने सबसे शून्य का आविष्कार किया था। इसके कारण उन्हें पृथ्वी और चंदा के बीच दूरी निकालने में काफी मदद मिली थी। अंतरिक्ष विज्ञान में आर्य भट्ट ने हमारे सौर प्रणाली के बारे में बहुत महत्वपूर्ण परिकल्पना दिए थे जो बाद में चलकर सच साबित हुए थे। अपने खगोल आकलन के आधार पर उन्होंने बताया था कि पृथ्वी अचल नहीं है, बल्कि अपनी कक्षा में घूमती रहती है और यह गोलाकर पिंड है। उनके अनुसार सभी ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते हैं। इसके अलावा उन्होंने सौर और चंद्र ग्रहण का वैज्ञानिक अवधारणा भी दिया जिसके बाद लोगों को पता चला की ग्हण राहु, केतु या किसी राक्षस का काम नहीं होता है। उनके इन्हीं महान योगदान के लिए 1975 में प्रक्षेपित हुए भारत के पहले उपग्रह का नाम आर्यभट्ट रखा गया था।

Section A (II) 50 Marks

Translate the following into Hindi: -

A language interpreter and a translator are both language professionals, but they perform distinct roles, each requiring different skills and methods. Interpreters are language professionals who facilitate spoken communication between people who

speak different languages. They work in real-time, conveying spoken words orally and immediately between two or more parties. They need strong listening skills to accurately capture and understand the source language and then articulate the message in the target language clearly and effectively. During interpretation, they often use short-term memory to retain information before rendering it into the target language. They translate the speaker's words into the target language in real-time often using specialized equipment like headphones and microphones. They listen to a segment of speech and then render it into the target language during pauses. They have a number of challenges like handling nuances, idioms, and cultural references in real-time. They must convey not only the words but also the tone and intent of the speaker. While on the other hand, a translator converts written texts from one language into another. Written texts may pertain to legal contracts, literary works, scientific papers, websites and the others. For it, s/he is allowed for more time and consideration in rendering accurate and culturally appropriate translations. For this, s/he must be proficient in writing and have keen interest in researching terminology, idioms and cultural nuances. In summary, while both interpreters and translators bridge language gaps, they do so in different ways, working with different mediums, time frames, and settings. Interpreters focus on spoken language in real-time, while translators handle written texts with more flexibility and time for careful consideration.

Section – B (I) **50 Marks**

निम्नलिखित किसी एक शिर्षक पर 500 शब्दों में निबंध लिखें-

1. खेल-जगत में उभरता भारत
2. भारत की अनेकता ही सबल भारत की पहचान है
3. भारत संप्रभुता की रक्षा करना जानता है
4. विकास के क्षेत्र में भारत बनाम चीन

Section – B (II) **50 Marks**

Write an essay on any one of the following in 500 words: -

1. Increasing population is not a concern for India
2. Only man can do something impossible
3. India's deep-rooted democracy
4. UCC can unite India